शहरी विस्तार

भारत में 1 मार्च 2001 के अनुसार 1027 मिलियन की कुल आबादी में से लगभग 742 मिलियन लोग ग्रामीण क्षेत्रों में और 285 मिलियन लोग शहरी क्षेत्रों में रहते हैं । ग्रामीण क्षेत्रों में 1991-2001 के दौरान आबादी में निवल वृद्धि 113 मिलियन हुई जबकि शहरी क्षेत्रों में यह 6 मिलियन थी । दशक के दौरान ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में आबादी की दशकीय वृद्धि प्रतिशतता क्रमशः 17.9 और 31.2 प्रतिशत रही है ।

देश की कुल आबादी में शहरी आबादी की प्रतिशतता 27.8 है । 1991 की जनगणना (जम्मू तथा कश्मीर जहां 1991 में जनगणना नहीं कराई जा सकी, की इंटरपोलेटेड आबादी सहित) में कुल आबादी में शहरी आबादी का प्रतिशत 25.7 था । इस प्रकार 1991-2001 के दौरान देश में शहरी आबादी के अनुपात में 2.1 प्रतिशतता की वृद्धि हुई है ।

क्र. सं.	भारत/राज्य/ संघ शासित प्रदेश*	टी/आर/यू	आबादी			प्रतिशत शहरी आबादी
1	2	3	4	5	6	7
	भारत	टी	1,027.015,247	531,277,078	495,738,169	27.8
		आर	741,660,293	381,141,184	360,519,109	
		यू	285,354,954	150,135,894	135,219,060	

स्रोतः भारत की जनगणना-2001 के लिए भारत तथा राज्यों के अनंतिम आबादी योग